

स्मार्ट क्लासरूम गतिविधियों का प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक एवं सामाजिक क्षमता पर प्रभाव: एक अर्द्ध-प्रायोगिक अध्ययन

डॉ अल्पना आर्य

वरिष्ठ व्याख्याता

श०उ० म० विद्यालय, खजराना, इंदौर

सार (Abstract)

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक स्तर (कक्षा 3 से 5) के विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक एवं सामाजिक क्षमताओं पर स्मार्ट क्लासरूम गतिविधियों के प्रभाव का परीक्षण करना है। यह अध्ययन एक अर्द्ध-प्रायोगिक अनुसंधान अभिकल्प पर आधारित है, जिसमें पूर्व-परीक्षण तथा उत्तर-परीक्षण सहित नियंत्रण एवं प्रायोगिक समूहों का उपयोग किया गया है।

अध्ययन में 120 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया, जिन्हें यादृच्छिक रूप से दो समूहों — प्रायोगिक समूह (n=60) एवं नियंत्रण समूह (n=60) — में विभाजित किया गया। प्रायोगिक समूह को आठ सप्ताह की अवधि में स्मार्ट क्लासरूम गतिविधियों (इंटरएक्टिव व्हाइटबोर्ड, शैक्षिक वीडियो, गेमिफिकेशन तकनीक, डिजिटल मूल्यांकन उपकरण) के माध्यम से शिक्षण प्रदान किया गया, जबकि नियंत्रण समूह को पारम्परिक शिक्षण विधि से पढ़ाया गया।

परिणामों से स्पष्ट हुआ कि स्मार्ट क्लासरूम गतिविधियों से शिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक क्षमता (स्मृति, तर्कशक्ति, समस्या-समाधान कौशल) में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक वृद्धि ($p < 0.05$) हुई। इसके अतिरिक्त, सामाजिक क्षमता (सहयोग, संप्रेषण, समूह-कार्य) में भी उल्लेखनीय सुधार

देखा गया। अध्ययन यह सिद्ध करता है कि स्मार्ट क्लासरूम तकनीक प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

मुख्य शब्द:

स्मार्ट क्लासरूम, संज्ञानात्मक क्षमता, सामाजिक क्षमता, प्राथमिक शिक्षा, अर्द्ध-प्रायोगिक अध्ययन, इंटरएक्टिव प्रौद्योगिकी, शैक्षिक उपलब्धि।